Achievements of Seed Import Policy

574. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether any success has been achieved as a result of Government's policy to allow import of seed; and

(b) if so, what are the achievements of the policy so far?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI NITISH KUMAR): (a) Yes, Sir.

(b) The New Policy on Seed Development announced on 16th September, 1988, came into effect from 1st October, 1988. The latest position relating to the progress made in the implementation of the New Policy is indicated in the Statement below:-

Seeds/Planting materials permitted to be imported

Sl. No.	Period	Seeds (MTs)	Planting Materials (Nos.)
1	1.10.87 to 30.9.1988	4.41	11,60,000
2	1.10.1988 to 31.3.1989	40.682	5,59,843
3	1.4.1989 to 31.3.1990	130.971	10,40,618
4	1.4.1990 to 15.6.1990	29.577	81,842
	TOTAL:	205.64	28,42,303

Proposal for connecting Nizampatnam to Nidubrolu in Andhra Pradesh

575. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to connect Nizampatnam to Nidubrolu in Guntur District of Andhra Pradesh by railway line;

(b) whether the survey has been completed and the amount it costs; and

(c) if so what are the details thereof?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) to (c) Survey for new BG line between Nizampatnam and Nidubrolu was carried out in 1984-85. The cost of 21 km. line was then estimated at Rs. 12.59 crores with a rate of return of 0.82%. There is, therefore, no proposal, at present to take up this project.

चलती रेल गाड़ियों में खान-पान सुविधाओं में सुधार

576. **श्री बेकल उत्साही:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सरकार ने चलती रेल गाड़ियों में खान-पान की सुविधाओं में सुधार के लिए पिछले छः महीनों में क्या कदम उठाए हैं?

रेल मंत्री (श्री जार्ज फर्नांडीज): 18 जोड़ी और महत्वपूर्ण मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों में पेंट्री कार सेवा उपलब्ध कराने का विनिश्चय किया गया है। खान-पान सेवा तथा पर्यवेक्षण में सुधार लाने के लिए रेल मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली के पाक कला तथा खान-पान प्रौद्योगिकी संस्थान में विशेष रूप से प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया है। क्षेत्रीय रेलों को भी निदेश दिये गये हैं कि वे सभी रसोइयों तथा पर्यवेक्षकों को इसी तरह के संस्थानों में प्रशिक्षण दिलवाएं। भोजन बनाने के लिए लकड़ी के कोयले से जलने वाले चूल्हों के स्थान पर गैस के चूल्हों की व्यवस्था करने तथा सस्ते भोजन को लोकप्रिय बनाने पर बल दिया गया है। इसके अलावा, चलती गाड़ियों में खान-पान सेवाओं में सुधार को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों तथा पर्यवेक्षकों द्वारा नियमित तथा अचानक जांच की गई थी। खान-पान सेवा में त्रुटियों के लिए दोषी पाए गए कर्मचारियों/ठेकेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है।

Uneconomic Routes of Railways

577. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is fact that Government have taken any decision not to operate on some uneconomic routes as a measure of austerity; and